Seat No. : _____

KI-103

March-2014

T.Y.B.A. (Annual Pattern)

Hindi (Paper – VI)

(मध्यकालीन काव्य)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

सूचना : (1) प्रत्येक प्रश्न के गुण सामने लिखें हैं ।

(2) सूचनानुसार उत्तर लिखिए ।

1. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । **21**

(क) पिउ सौं कहेउ सदेसड़ा, हे भौरां । काग ।
सो धनि बिरहै जरि मुई, तेहि क धुवाँ हम लाग ।।

अथवा

(क) सतगुर साचा सुरिवां, तातैं लोहि लुहार ।
कसणी दे कंचन कीया, ताइ लीया ततसार ।।

(ख) "हमारे प्रभु, औगन चित न धरौ ।
समदरसी है नाम तुम्हारौ, सोई पार करौ ।
इक लोहा पूजा मैं राखत, इक घर बधिक परौ ।
सो दुविधा पारस नहिं जानत, कंचन करत खरौ ।"

अथवा

(ख) वरदंत की पंगति कुंदक ली, अधराधर पल्लव खोलन की ।
चपला चमकै घन बीच जगैं, छबि मोतिन माल अमोलन की ।
घुँघरारि लटैं लटकैं मुख ऊपर कुंडल लोल कपोलन की ।
नेवछावरि प्रान करै तुलसी बलि जाऊँ लला इन बोलन की ।।

(ग) "कहत नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात ।
भरे भौन मैं करत हैं नैननि ही सों बात ।।"

अथवा

(ग) रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यों ज्यों निहारियौ ।
त्यों इन आँखन बानि अनोखी, अधानि कहूँ नहिं आनि तिहारियो
एक ही जीवहुतौ सुतौ वारयौ, सुजान सके कऔ सोच सहारियै
रोकी रहे न, दहे, धन आनंद बावरी रीझ के हाथ निहारियै ।

2. तुलसी की भक्ति भावना पर विस्तार से प्रकाश डालिए । **12**

अथवा

पठित कविताओं के आधार पर नागमती विरह दशा का वर्णन कीजिए ।

3. "सूरदास के 'भ्रमरगीत' का उद्देश्य ज्ञान पर भक्ति की और निर्गुण पर सगुण की विजय घोषित करता है," पठित अंशों के आधार पर इस कथन के औचित्य की सोदाहरण पुष्टि कीजिए । **12**

अथवा

"प्रेम की पीड़ा घनानंद की कविता का मूलाधार है ।" इस कथन की युक्ति युक्त चर्चा कीजिए ।

4. संक्षेप में लिखिए : **10**

(अ) बिहारी के नीति विषयक दोहे ।

अथवा

कबीर के राम

(ब) सूर का वात्सल्य और बालवर्णन ।

अथवा

'वनमार्ग में राम-लक्ष्मण – सीता' का केन्द्रीय भाव ।

5. सूचनानुसार उत्तर लिखिए :

(क) **एक** वाक्य में उत्तर दीजिए : **5**

(1) घनानंद ने अपनी कविता में किसे बार-बार याद किया है ?

(2) कबीर की मृत्यु कहाँ हुई थी ?

(3) जायसी की किस रचना में लोककथा, इतिहास और कल्पना का मिश्रण है ?

(4) सूरदास के सर्वाधिक प्रामाणिक ग्रंथ का नाम बताइये ।

(5) तुलसी के माता-पिता का क्या नाम था ?

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : **5**

(1) _____ कवि ने गागर में सागर भर दिया है । (जायसी, सूरदास, बिहारी)

(2) बखै रामायण _____ ने लिखा है । (कबीर, तुलसी, घनानंद)

(3) _____ की भाषा को सधुक्कड़ी कहा गया है । (जायसी, घनानंद, कबीर)

(4) सूर काव्य का मुख्य विषय _____ है । (रामभक्ति, कृष्णभक्ति, शिवभक्ति)

(5) घनानंद मथुरा में _____ संप्रदाय में दीक्षित हुए । (निम्बार्क, वैष्णव, शैव)

(ग) सही जोड़ मिलाइये : **5**

अ		**ब**
1.	माया दीपक नर पतंग	1. तुलसीदास
2.	जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारै	2. बिहारी
3.	नहिं पावस ओहि देसरा	3. कबीर
4.	कर मुंदरी की आरसी प्रतिबिंब त्यो पाय	4. घनानंद
5.	लाजनि लपेटी चितवनि भेद भाँय-भरी	5. जायसी